खबर संक्षेप

पुलिस अधीक्षक ने आरक्षक को किया निलंबित

शहडोल। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने यातायात आरक्षक विवेकानंद तिवारी को गत 15 दिनों से बिना सूचना के ड्यूटी से गैरहाजिर रहने पर विभिन्न स्थानों पर वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम व सोशल मीडिया में निजी लाभ एवं प्रचार के लिए अपलोड किए जाने को पुलिस रेग्यूलेशन 64 के सेवा की सामान्य शर्तों का उलंघन मानते हुए निलंबित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि आरक्षक अपने शासकीय ड्यूटी पर न जाकर निजी लाभ के लिए सोशल मीडिया के लिए वीडियो बनाने में सक्रिय पाये गए हैं। सोशल मीडिया वीडियो में देखा जा रहा था कि वे पुलिस की निर्धारित वर्दी में मोनो हटाकर शेष वर्दी धारण कर सक्रिय दिखाई दे रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्राम गोरतरा में किया गया पौधरोपण

शहडोल। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, शहडोल द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन एवं हरित वातावरण को बढावा देना। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव देवेन्द्र सिंह, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी अशोक तिवारी, एस.एन. शुक्ल विश्वविद्यालय की प्राध्यापक श्रीमती मनीषा शुक्ला, विवेक पांडेय जिला समन्वयक मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, श्रीमती कल्याणी बाजपेयी तथा नवांकुर संस्था के लोकनाथ नामदेव सहित छात्र-छात्राओं एवं गणमान्य नागरिकों ने पौधरोपण किया एवं अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संदेश दिया। सभी प्रतिभागियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा समाज में हरियाली बढ़ाने एवं जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

बंगवार कोयला खदान में बड़ा हादसा

कोयले की सिम ढहने से दो श्रमिकों की दर्दनाक मौत, चार की हालत अत्यंत नाजुक

सोहागपुर एरिया अंतर्गत बंगवार भूमिगत कोयला खदान में कोयले की सिम ढहने से एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। इस भीषण दुर्घटना में मलबे के नीचे दबने से दो स्थानीय श्रमिकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चार अन्य श्रमिक अत्यंत गंभीर रूप से घायल हैं। प्रबंधन द्वारा सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर बिना सुरक्षा उपकरणों के कार्य कराने का आरोप है।

शहडोल। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सोहागपुर क्षेत्र की बंगवार अंडरग्राउंड माइंस में सुरक्षा नियमों की धज्जियां उड़ाने का एक और खौफनाक नतीजा सामने आया है। खदान के भीतर अचानक कोयले की विशाल सिम और छत का कमजोर हिस्सा भरभरा कर ढह गया, जिसके मलबे में छह मजदूर पूरी तरह दब गए। घटना के बाद खदान परिसर में चीख-पुकार मच गई। अत्यंत खेदजनक स्थिति यह रही कि हादसे के एक घंटे बाद तक स्थानीय धनपुरी थाना पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगने दी गई। प्रबंधन द्वारा मामले को दबाने का भरसक प्रयास किया गया, जिससे स्थानीय ग्रामीणों और श्रमिक संगठनों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

दोपहर साढ़े तीन बजे हुआ हादसा

यह हादसा दूसरी पाली में दोपहर करीब साढ़े तीन बजे हुआ। धनपुरी टीआई खेम चंद्र पेंड्रो के मुताबिक, खदान के मुहाने से करीब दो किलोमीटर अंदर 45 नंबर पिलर के पास यह हादसा हुआ है। उस समय मजदूर खदान के भीतर डिप्लरिंग हिस्से में स्टॉपिंग वॉल का निर्माण कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक छत का कमजोर मिट्टी और चट्टानी हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया, जिससे मजदूर मलबे की चपेट में आ गए। बंगवार खदान में जिस दौरान हादसा हुआ, उस समय स्टॉपिंग वॉल का काम चल रहा था। अंडरग्राउंड कोयला खदान में बनाई जाने वाली यह एक सुरक्षा दीवार होती है, जिसका उपयोग वेंटिलेशन नियंत्रित करने, हानिकारक गैसों के फैलाव को रोकने और गोफ क्षेत्र को सील करने के लिए किया जाता है। यह ताजी और दूषित हवा के मार्ग को अलग रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रारंभिक तौर पर इसे रूफ फॉल की घटना माना जा रहा है।

हवा का तेज दबाव और खदान के भीतर मची अफरा-तफरी

घटना के दौरान 45 पिलर के पास ही काम कर रहे श्रमिक सुजल वर्मा ने बताया कि घटना के दौरान हवा का दबाव इतना तेज था कि वहां जो भी था कोई भी नहीं बच पाया। जैसे ही छत धंसी, वैसे ही एक तेज धमाके की आवाज आई और पूरी खदान के भीतर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। खदान के अंदर सुरक्षा के कोई भी पुख्ता इंतजाम नहीं थे। माइनिंग सरदार या कोई अन्य जिम्मेदार तकनीकी अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद नहीं था, जिसके मार्गदर्शन में ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में मजदूरों से काम कराया जाना अनिवार्य होता है।

लापरवाही ने ली दो की जान, चार की हालत नाजुक

खदान के भीतर जब श्रमिक कोयला खनन और निर्माण के कार्य में व्यस्त थे, तभी अचानक बिना किसी पूर्व चेतावनी के ऊपर से कोयले की भारी-भरकम सिम गिर गई। इस हादसे में निर्माण कर रहे दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हैं। चार घायलों की पहचान हो गई है, वहीं अन्य दो की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। मलबे की आकस्मिक चपेट में आने से बल्लू बैगा पिता दुग्गा बैगा, उम्र 43 वर्ष, निवासी पटना और गोलू बैगा पिता रामदीन बैगा, उम्र 30 वर्ष नाम के दो श्रमिकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक हादसे में मलबे से निकाले गए अन्य श्रमिकों में शामिल अंजनी बैगा पिता छोटेलाल बैगा, उम्र 38 वर्ष, निवासी बंडी, अमित कुमार यादव पिता मुन्ना यादव, उम्र 28 वर्ष, निवासी बम्होरी, प्रेमलाल विश्वकर्मा पिता रामशरण विश्वकर्मा, उम्र 39 वर्ष, निवासी बंडी और राजकुमार यादव पिता अमरलाल यादव, उम्र 37 वर्ष, निवासी बंगवार गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इनके अलावा भी कुछ मजदूरों को चोटें पहुंची हैं। गंभीर घायलों को तत्काल बुढ़ार सेंट्रल हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें शहडोल के एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया। वर्तमान में ये चारों श्रमिक वेंटिलेटर और गहन चिकित्सा इकाई में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, आंतरिक चोटें और दम घुटने के कारण स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है।

अमरजीत सिंह के निर्देशन में चलाया गया रेस्क्यू अभियान

घटना के तुरंत बाद खदान के कर्मचारियों ने अधिकारियों को सूचित किया, जिसके बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। सोहागपुर एरिया की रेस्क्यू टीम ने अमरजीत सिंह के कुशल निर्देशन में अत्यंत कठिन परिस्थितियों के बीच खदान के भीतर प्रवेश किया और मलबे को हटाकर घायल मजदूरों को बाहर निकालना शुरू किया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शाम करीब पांच बजे तक चार घायल मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया था, और अन्य प्रभावित मजदूरों तक पहुंचने का कार्य जारी रहा। रेस्क्यू टीम दोनों शवों और चारों गंभीर रूप से घायल श्रमिकों को बाहर लाकर एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल भिजवाने में सफल रही। यदि रेस्क्यू टीम थोड़ी और देरी करती, तो हताहतों की संख्या बढ़ सकती थी, क्योंकि अंदर ऑक्सीजन की भारी कमी थी।

सुरक्षा उपकरणों के बिना कराया जा रहा था जानलेवा काम, हादसे के एक घंटे बाद तक स्थानीय पुलिस से छिपाई गई घटना, प्रबंधन की घोर लापरवाही उजागर, मौके से उपक्षेत्रीय प्रबंधक फरार

ठेका प्रथा के जाल में डीजीएमएस नियमों की उड़ीं धज्जियां

सभी छह पीड़ित श्रमिक रवि जायसवाल नामक स्थानीय ठेकेदार के अधीन खदान के भीतर मजदूरी का कार्य कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों और साथी श्रमिकों का आरोप है कि खदान के अंदर महानिदेशालय खान सुरक्षा के कायदों की हर दिन धज्जियां उड़ाने का काम किया जा रहा है। ठेकेदार और कोल प्रबंधन की मिलीभगत से श्रमिकों को हेलमेट, बूट या सेफ्टी बेल्ट जैसे अनिवार्य सुरक्षा उपकरण तक मुहैया नहीं कराए गए थे। बिना किसी सुरक्षा घेरे और सपोर्ट सिस्टम के श्रमिकों को सीधे मौत के कुएं में धकेल दिया गया।

मौके पर पहुंचे कलेक्टर और भड़के परिजन

हादसे की खबर मिलते ही कलेक्टर डॉक्टर केदार सिंह मुस्तैदी दिखाते हुए तुरंत खुद खदान और अस्पताल के मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए घायलों के समुचित उपचार का जायजा लिया और अधिकारियों को निष्पक्ष जांच के कड़े निर्देश दिए। वहीं, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए धनपुरी, बुढ़ार, अमलाई और खैरहा थाने के प्रभारी भारी पुलिस बल के साथ खदान पर तैनात हो गए। धनपुरी थाना प्रभारी खेम चंद्र पेंड्रो ने समय पर सूचना न देने के लिए कोल प्रबंधन को कड़ी फटकार लगाई।

साक्ष्यों और सबूतों को मिटाने में जुटे

हादसे के बाद खदान परिसर में भारी हंगामा खड़ा हो गया। मृतकों के परिजन और स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए, जिससे वहां का माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया। परिजनों में प्रबंधन के खिलाफ भारी आक्रोश था। इस बीच सबसे बड़ी बात यह रही कि सोहागपुर एरिया के मुख्य महाप्रबंधक बी.के. जेना इतनी बड़ी दुर्घटना होने के बावजूद अंतिम समय तक घटनास्थल पर पहुंचे ही नहीं, जिससे लोगों का गुस्सा और भड़क गया। बंगवार के उपक्षेत्रीय प्रबंधक भी मौके से अचानक गायब हो गए। स्थानीय लोगों का गंभीर आरोप है कि डीजीएमएस की होने वाली तकनीकी जांच से बचने के लिए उपक्षेत्रीय प्रबंधक (सब एरिया मैनेजर) और उनकी पूरी टीम देर रात तक माइंस के अंदर दुर्घटना से जुड़े साक्ष्यों और सबूतों को मिटाने में जुटी रही।

शाम को पहुंचे कांग्रेसी नेता, कार्रवाई की मांग

हादसे की गंभीरता को देखते हुए राजनीतिक हलकों में भी सरगर्मी बढ़ गई। शाम करीब 8 बजे के आस-पास जिला कांग्रेस कमेटी के ब्लॉक अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष और कांग्रेस के दर्जन भर कार्यकर्ता भी भारी रोष के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर प्रबंधन के खिलाफ कड़ी नाराजगी जाहिर की और दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई व पीड़ित परिवारों के लिए उचित मुआवजे की मांग की।

डीजीएमएस की टीम करेगी तकनीकी जांच

इस पूरे हादसे की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच खान सुरक्षा निदेशालय (डीजीएमएस) की जबलपुर टीम करेगी? शनिवार को टीम घटना स्थल पर पहुंचकर मुआयना करेगी। यह रूफ फॉल की घटना है या मेन फॉल की, इसकी पूरी बारीकी से जांच की जाएगी। इस जांच टीम में एसईसीएल के तकनीकी सुरक्षा अधिकारी भी शामिल होंगे। प्रबंधन द्वारा देर रात तक साक्ष्य छुपाने की कोशिशों के आरोपों के बीच, हादसे के वास्तविक कारणों का सटीक खुलासा इस तकनीकी जांच रिपोर्ट के आने के बाद ही साफ हो सकेगा।

साधना के 37 वर्षः प्रधानाचार्य मृगेंद्र श्रीवास्तव का ऐतिहासिक विदाई सम्मान

शहडोल। मुझे विद्या भारती ने सचमुच बहुत दिया है, आभार शुक्रिया है, सौ बार शुक्रिया है... जब इन भावुक पंक्तियों को विख्यात कवि और सरस्वती शिशु मंदिर के निवर्तमान प्रधानाचार्य मृगेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने मंच से पढ़ा, तो पंडाल में मौजूद हर शख्स की आंखें छलक उठीं। मौका था स्थानीय विद्या भारती सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ओपीएम अमलाई में आयोजित एक भव्य, दिव्य और ऐतिहासिक सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का। वसुंधरा बाल कल्याण समिति द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम गौरवशाली परंपरा और अत्यंत आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ।कार्यक्रम का आगाज संस्था के अध्यक्ष देवदत्त शुक्ला, उपाध्यक्ष मयंक पांडे, ऊर्जावान व्यवस्थापक प्रशांत सिंह और निवर्तमान प्रधानाचार्य मृगेंद्र श्रीवास्तव द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। वाणी वंदना के बाद प्राचार्य सुजीत द्विवेदी ने विद्या भारती की योजना और विदाई सम्मान की गरिमा पर प्रकाश डाला।अपने पूरे सेवाकाल में संघर्षशील, परिश्रमी, कुशल योजनाकार और लोकप्रिय मंच संचालक रहे बौद्धिक प्रतिभा के धनी श्री श्रीवास्तव का समिति द्वारा पलक-पावड़े बिछाकर स्वागत किया गया। उन्हें तिलक वंदन, पुष्पहार, माल्यार्पण के साथ अंग वस्त्र, मिष्ठान्न, विशेष उपहार और सम्मान राशि का चेक प्रदान कर अभिनंदित किया गया।

जीवन की सबसे बड़ी पूंजी

अपनी 37 वर्षों की बेदाग सेवा यात्रा (1989 से 2026) को कविता के रूप में पिरोते हुए श्री श्रीवास्तव ने कहा विद्या भारती जैसी विश्व की सबसे बड़ी शैक्षिक संस्था से जुड़ना मेरा सौभाग्य था। इस यात्रा में मिले पूर्व छात्रों की विशाल श्रृंखला और समाज का स्नेह ही मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी धर्मपत्नी श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव और परिवार के त्याग को दिया।

परिवार ने जताया विद्या भारती का आभार

इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए उनकी जीवन संगिनी श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव, दोनों पुत्र अमन-नमन, बहन पदमा, भांजी कृतिका और भतीजे रंजन श्रीवास्तव विशेष रूप से मौजूद रहे। श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव ने भावुक होते हुए कहा कि परिवार की खुशहाली और बच्चों की सफलता का आधार विद्या भारती का संस्कार ही है। कृतज्ञता स्वरूप श्रीवास्तव परिवार ने विद्यालय को उपहार सामग्री भी भेंट की। उनके प्रिय शिष्य पद्म प्रकाश नापित की कविता ने समां बांध दिया।

संस्कारयुक्त भारत का संकल्प

संस्था के व्यवस्थापक प्रशांत सिंह ने प्रधानाचार्य जी को एक समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ रीढ़ की हड्डी बताया। अध्यक्ष देवदत्त शुक्ला और उपाध्यक्ष मयंक पांडे ने उनके श्रेष्ठ व्यक्तित्व की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस दौरान नारायण दास त्रिपाठी, बृजेंद्र पाठक, कमला मिश्रा और मधु गुप्ता ने भी विचार रखे। महाकौशल प्रांत की ओर से विभाग समन्वयक राम शिरोमणि शर्मा और जिला सचिव रवि कुमार रजक ने मंगलकामनाएं भेजीं। कार्यक्रम का शानदार और संयुक्त संचालन रामायण तिवारी एवं रश्मि गुप्ता ने किया। अंत में जिला बौद्धिक प्रमुख राम नारायण तिवारी के धन्यवाद ज्ञापन और कल्याण मंत्र के साथ इस बेहद आत्मीय, गरिमामयी और भावपूर्ण समारोह का समापन हुआ।

स्वस्थ बहन का खोखला नारा

महिलाओं से वैदेही फाउंडेशन का फर्जीवाड़ा

सोता रहा प्रशासन, अब सीएमएचओ ने झाड़ा पल्ला

शहडोल। रोजगार की तलाश में भटकती गरीब महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सब्जबाग दिखाकर उनकी गाढ़ी कमाई डकारने का एक बेहद शर्मनाक खेल शहडोल की नाक के नीचे खेल दिया गया। स्वस्थ बहन-सशक्त राष्ट्र का ढोंग रचने वाली जबलपुर (सुहागी) की तथाकथित संस्था श्री वैदेही रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन ने ग्रामीण और शहरी महिलाओं को नौकरी और सेनेटरी पैड के नाम पर ठगी का शिकार बना डाला। जब पानी सिर से ऊपर चला गया, तो रोती-बिलखती पीड़ित महिलाएं 2 जून को सीधे कलेक्टर दफ्तर पहुंचीं और इंसाफ की गुहार लगाई।

दो महीने हाड़-तोड़ मेहनत

त्रिवेणी केवट, रोशनी प्रजापति, भारती केवट और भारती प्रजापति सहित दर्जनों महिलाओं ने कलेक्टर को सौंपे शिकायती पत्र में इस फर्जी संस्था के काले कारनामों का कच्चा चि_ा खोला है। महिलाओं को सेनेटरी पैड के प्रचार-प्रसार के लिए 10,000 से 13,000 रुपये प्रति माह की सैलरी का लालच देकर बकायदा नौकरी पर रखा गया था। 1 अप्रैल से 31 मई तक महिलाओं ने तपती धूप में फील्ड पर पसीना बहाया, लेकिन जब दो महीने बाद हक की मजदूरी मांगने का वक्त आया, तो संस्था के हुक्मरानों ने गिरगिट की तरह रंग बदल लिया और फूटी कौड़ी देने से भी साफ मुकर गए।

रजिस्ट्रेशन के नाम पर वसूली

ठगी का यह खेल सिर्फ सैलरी तक सीमित नहीं था। पम्पलेट बांटकर प्रति महिला 151 रुपये की नामांकन सहयोग राशि वसूली गई, जिसके बदले 12 महीने तक मुफ्त सेनेटरी नैपकिन देने का दावा था। फील्ड वर्क कर रही इन महिलाओं ने अपने भरोसे पर सैकड़ों अन्य महिलाओं से यह राशि वसूलकर संस्था की जेब में डाल दी। अब पिछले एक महीने से पैड की सप्लाई पूरी तरह ठप है। नतीजा यह है कि जिन ग्रामीण महिलाओं का पैसा डूबा है, वे रोज़ इन पीड़ित महिला कर्मचारियों के घर जाकर हंगामा कर रही हैं, जिससे वे मानसिक अवसाद में हैं।

अंधेर नगरी-चौपट राजा

गजब का सिस्टम है, जिले में बाहर की एक फर्जी फर्म आती है, धड़ल्ले से पोस्टर-पम्पलेट बांटती है, सरेआम महिलाओं को ठगती है, लेकिन हमारे हाईटेक स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन को भनक तक नहीं लगती। जब पाप का घड़ा फूटा और मामला मीडिया में आया, तो मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने बकायदा जनसंपर्क के माध्यम से एक सरकारी वस्तुस्थिति (प्रेस नोट) जारी कर अपने कर्तव्यों से इतिश्री कर ली। सीएमएचओ साहब बड़े गर्व से फरमा रहे हैं कि इस फाउंडेशन को स्वास्थ्य विभाग में काम करने की कोई अनुमति नहीं थी और न ही कोई अनुबंध था। अब कोई इन साहबों से पूछे अगर अनुमति नहीं थी, तो आपकी नाक के नीचे यह समानांतर अवैध धंधा महीनों तक कैसे फलता-फूलता रहा, इस तथाकथित प्रेस नोट में इस बात का जिक्र क्यों नहीं है कि इस फर्जी फाउंडेशन का असली आका कौन है और उसे कब जेल भेजा जाएगा। क्या महिलाओं को उनकी रुकी हुई सैलरी और न्याय दिलाने की जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग या प्रशासन की नहीं है? साफ है कि ठग गिरोह महिलाओं का हक डकार कर चंपत हो गया और जिम्मेदार विभाग सिर्फ हमारा कोई लेना-देना नहीं है का बोर्ड टांगकर चैन की बंसी बजा रहा है। देखना यह है कि इस जालसाजी पर अब कोई कड़ा कानूनी शिकंजा कसता है या गरीब बहनें इंसाफ के लिए यूं ही दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर रहेंगी।

क्लस्टरों को एक्टिव कर किसानों को प्राकृतिक खेती करने करें प्रोत्साहित : आयुक्त

खरीफ सीजन में किसानों को समय पर खाद बीज की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए

जल गंगा सवंर्धन अभियान के तहत संचालित कार्यों को वर्षा के पूर्व पूरा करें

शहडोल। आयुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता द्वारा आगामी खरीफ सीजन को देखते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु जिलों में बनाए गए क्लस्टर एवं बीआरसी को एक्टिव कर नियमित रूप से किसानों का प्रशिक्षण एवं जागरूता शिविरों का आयोजन करें। शासन द्वारा जिलों के लिए नए क्लस्टर स्वीकृत किए गए हैं, इन क्लस्टरों के संचालन की कार्यवाही शीघ्र पूरी की जाए। किसानों के सर्टिफिकेशन की कार्यवाही करते हुए उन्हें शासन द्वारा दिए जाने वाले इन्सेंटिंव राशि का वितरण भी किया जाए। वर्षा शुरू होते ही खाद एवं बीज की मांग बढ़ेगी संबंधित अधिकारी आवश्यकता का आकलन कर सरकारी समितियों में पर्याप्त खाद एवं बीज का भण्डारण सुनिश्चित कराएं।

खाद का वितरण ई-विकास पोर्टल के माध्यम से किया जाना है। जिन किसानों द्वारा ई-विकास पोर्टल में पंजीयन नहीं कराया गया है। उनके पंजीयन में कृषि, सहकारिता तथा उद्यानिकी विभाग के अधिकारी पंजीयन कराने में सहयोग प्रदान करें। यह निर्देश आयुक्त शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में तीनों जिलों के कलेक्टर शहडोल कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली, उमरिया कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, सीईओ जिला पंचायत शहडोल शिवम प्रजापति, सीईओ जिला पंचायत अनूपपुर अर्चना कुमारी, सीईओ जिला पंचयायत उमरिया अभय सिंह सहित विभिन्न विभागों के संभाग स्तरीय एवं जिला स्तरीय अधिकारियों ने भाग लिया।

कमिश्नर ने कुसुम-बी योजना जिसके तहत किसानों के खेतो में सोलर पंप स्थापित किए जाने हैं तथा पीएम सूर्य घर योजना जिसके तहत घरों की छतों में सोलर संयंत्र स्थापित किए जाने हैं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा जिन हितग्राहियों द्वारा आवेदन कर दिया गया है। वहां इंस्टालेशन करने के निर्देश उर्जा विकास निगम के अधिकारियों को दिए। उन्होने कहा कि संबंधित अधिकारी प्रति सप्ताह संबंधित जिलों के कलेक्टरों को प्रगति से अवगत कराएं तथा जहां समस्या आ रही हो उसका निराकरण कराएं।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि पीएम वय वंदना योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने में गति लाई जाए। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि हर गर्भवती माता का पंजीयन एवं फॉलोअप अनिवार्य रूप से हो संबंधित क्षेत्र के एएनएम तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संपर्क में रहें तथा समय-समय पर आवश्यक सलाह देते रहें। सुशासन के तहत फार्मर रजिस्ट्री के कार्य को गति प्रदान करने तथा इस कार्य में कृषि, सहकारिता तथा जीआरएस का भी सहयोग लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल्दी ही बरसात का सीजन शुरू हो जाएगा उसके पहले अभियान चलाकर सीमांकन के प्रकरणों का निराकरण करें साथ ही नामांतरण एवं बटवारे के प्रकरण समय-सीमा से वाह्य नहीं हो। जल गंगा सवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि मैदानी क्षेत्रों में जो कार्य संचालित हंर उन्हें वर्षा के पूर्व पूरा करा लिया जाए। एनआरएलएम द्वारा गठित स्व सहायता समूहों को बैंक ऋण वितरण की कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने संभाग के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी नल-जल योजनाएं संचालित रहें। यदि किसी कारणवश समस्या आती है तो उसका शीघ्र निदान किया जाए। इसी तरह हैंडपण्पों की मरम्मत का कार्य भी 24 घंटे के भीतर कर लिया जाए। पेयजल उपलब्धता हेतु बनाए गए कंट्रोल रूम में प्राप्त होने वाली शिकायतों की दैनिक मानीटरिंग की जाए तथा समय पर उनका निराकरण कराया जाए। नगरीय क्षेत्रों में वर्षा के पूर्व अभियान चलाकर नालियों एवं नालों की सफाई करा दी जाए। जल भराव वाले क्षेत्रों की पहचान कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा डॉग बाईट की रोकथाम हेतु आवश्यक व्यवस्था की जाए। नगरीय क्षेत्रों में जीर्ण-शीर्ण भवनों का चिन्हांकन कर उनके ध्वस्तीकरण की कार्यवाही वर्षा के पूर्व कर ली जाए। बैठक में लोक सेवा प्रबंधन वन अधिकारी अधिनियम संबल योजना के लंबित प्रकरणों, उल्लास नव भारत साक्षतरता कार्यक्रम, युवा संगम कार्यक्रम, रिजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव 2025 में प्राप्त प्रस्तावों की प्रगति, घरेलू गैस व्यवस्था की उपलब्धता, उपार्जित गेहूं में कृषकों के भुगतान एवं परिवहन की स्थिति आईटीआई में प्रवेश एवं प्लेसमेंट की स्थिति तथा ज्ञान भारत मिशन की भी समीक्षा की गई।

रसूखदारों के आगे नतमस्तक हुआ मानपुर प्रशासन

सरेआम लूटी जा रही सरकारी जमीन

मानपुर। सरकारी जमीन को अपनी जागीर समझकर निगलने वाले भू-माफियाओं और उन्हें संरक्षण देने वाले भ्रष्ट प्रशासनिक तंत्र के गठजोड़ ने नगर परिषद मानपुर में पैर पसार लिए हैं। वार्ड क्रमांक 11 खुटार स्थित शहडोल रोड पर मध्य प्रदेश शासन की बेशकीमती भूमि (खसरा नंबर 123/1/1) इन दिनों कौडियों के दाम रसूखदारों के हवाले की जा रही है। ताज्जुब की बात यह है कि रक्षक ही भक्षक बन बैठे हैं और उमरिया का राजस्व महकमा गहरी नींद सो रहा है।

राजस्व नियमों की उड़ी धज्जियां भू-आवंटन के पट्टे की आड़ में बड़ा खेल अवैध 'खरीद-फरोख्त' का खुला खेल

खबर है कि शासन द्वारा सती कोल पति बाबूलाल को जीवन यापन के लिए भूमि का आवंटन (पट्टा) दिया गया था, लेकिन मध्य प्रदेश राजस्व संहिता 1959 की धारा 165 के सख्त नियमों को ठेंगे पर रखकर इस शासकीय पट्टे की जमीन की अनधिकृत रूप से डील कर दी गई। नियम स्पष्ट कहता है कि शासकीय आवंटन या आदिम जनजाति की भूमि को बिना कलेक्टर की पूर्व अनुमति के न तो बेचा जा सकता है, न हस्तांतरित किया जा सकता है और न ही उसका व्यावसायिक उपयोग हो सकता है, लेकिन यहां नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए ठेकेदार रावेन्द्र विश्वकर्मा मूल निवासी नरवार, हाल मुकाम मानपुर और बबलू बीज भंडार के संचालक ने इस सरकारी जमीन पर गिद्ध जैसी नजरें गड़ा दी हैं।

ईंट भट्टा और अवैध बोरिंग

रावेन्द्र विश्वकर्मा नामक ठेकेदार, जो पिछले 20 वर्षों से मानपुर में अपनी जड़ें जमाए हुए है, उसके रसूख के आगे पूरा प्रशासनिक अमला नतमस्तक नजर आ रहा है। उसी के बगल में बबलू बीज भंडार द्वारा न सिर्फ शासकीय भूमि पर कब्जा किया गया है, बल्कि वहां धड़ल्ले से ईंट पथाई और ईंट का अवैध कमर्शियल कारोबार संचालित किया जा रहा है। हद तो तब हो गई जब सरकारी जमीन का सीना चीरकर वहां अवैध बोरिंग भी करा दी गई। जब मीडिया ने बबलू बीज भंडार से सवाल किया, तो उन्होंने घिसी-पिटी कहानी दोहराते हुए कहा कि हमने कोई जमीन नहीं खरीदी। सवाल यह उठता है कि अगर जमीन नहीं खरीदी, तो सरकारी जमीन पर ईंट भ_ा लगाने और बोरिंग कराने की हिम्मत इन्हें किस आका के दम पर मिली, यह सीधे तौर पर सरकारी अमानत में खयानत का मामला है।

पटवारी के बदले रंग, तहसीलदार ने झाड़ा पल्ला

इस पूरे मामले में स्थानीय राजस्व अमले की भूमिका पूरी तरह संदिग्ध है। जब इस गंभीर अतिक्रमण के संबंध में तहसीलदार पंकज नयन तिवारी को अवगत कराया गया, तो उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि यह नगरीय क्षेत्र में है, नगर परिषद को शिकायत करिए, हम कुछ नहीं कर सकते। क्या तहसीलदार साहब यह भूल गए कि नगरीय क्षेत्र के भीतर भी शासकीय भूमियों का अंतिम स्वामित्व और राजस्व रिकॉर्ड की कस्टडी मध्य प्रदेश राजस्व विभाग (तहसील कोर्ट) के अधीन ही होती है।

पटवारी बने पैरोकार

मानपुर पटवारी सतीश कोल तो जैसे भू-माफियाओं के पैरोकार बन बैठे हैं। जब उनसे पट्टे की अवैध खरीद-फरोख्त पर सवाल हुआ, तो वे कानून सिखाने लगे कि उनके पास पट्टा है और वे अपने पट्टे में निर्माण कर रहे हैं। पटवारी साहब को शायद एमपीएलआर कोड की धारा 158 और 165 का पाठ दोबारा पढने की जरूरत है, जो यह साफ करती है कि पट्टा सिर्फ जीवन यापन के लिए है, उसे किसी ठेकेदार को सौंपकर ईंट भ_ा चलाने के लिए नहीं है।

एक सप्ताह बाद भी निर्माण जारी

स्थानीय सजग नागरिकों ने जब इस मामले की शिकायत कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय से की, तो उन्होंने केवल मैसेज लिखकर जानकारी भेजने की औपचारिकता निभाई और त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया, लेकिन एक सप्ताह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी धरातल पर नतीजा शून्य है। न तो अवैध निर्माण कार्य बंद कराया गया और न ही भू-माफियाओं पर कोई एफआईआर दर्ज हुई।

कब तक मौन रहेगा प्रशासन

प्रशासन की यह सुस्ती और लाचारी कई गंभीर सवाल खड़े करती है। क्या मानपुर का राजस्व अमला चंद रुपयों की खनक के आगे अंधा हो चुका है, क्या रसूखदार ठेकेदार रावेन्द्र विश्वकर्मा और बबलू बीज भंडार का रूतबा मध्य प्रदेश सरकार के कानूनों से भी बड़ा है। जनता अब यह देख रही है कि शासकीय भूमि को माफियाओं के चंगुल से मुक्त कराया जाता है या फिर चंद रुपयों की मलाई खाकर यह अवैध निर्माण यूं ही धड़ल्ले से चलता रहेगा।

इनका कहना है...

आप लिखकर दे दीजिए, हम निश्चित ही कार्रवाई करेंगे।

लालमणि प्रजापति
राजस्व निरीक्षक, मानपुर

*****

आप लिखित आवेदन दे दीजिए, हम निश्चित ही इस मामले को दिखवाते हैं।

राजेंद्र कुशवाहा
सीएमओ

विश्व पर्यावरण दिवस पर बांधवगढ़ में किया गया क्लीनअप ड्राइव का आयोजन

उमरिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के नेतृत्व में आनंदना कोका-कोला फाउंडेशन इंडिया के सहयोग तथा साहस द्वारा संचालित प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशन के अंतर्गत बांधवगढ़ में विशाल सामूहिक स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान लगभग 15 किलोमीटर क्षेत्र में व्यापक सफाई कार्य किया गया तथा करीब 1000 किलोग्राम कचरा एकत्र कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। स्वच्छता अभियान ताला बैरियल से ताला मोड़ एवं परासी मोड़ से कैलाश जी वॉटरफॉल तक चलाया गया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ अनुपम सहाय एवं उप संचालक योहान कटारा की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में बीटीआर स्टाफ, रिसॉर्ट स्टाफ, जिप्सी एवं गाइड यूनियन के सदस्य, इको क्लब के सदस्य, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छ पर्यावरण, हरित भविष्य एवं प्लास्टिक मुक्त बांधवगढ़ के संकल्प को दोहराते हुए सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया।

एक पेड़ मां के नाम' संदेश के साथ मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

उमरिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर माय भारत केंद्र उमरिया द्वारा जिला युवा अधिकारी उमाशंकर त्रिवेदी के मार्गदर्शन में ग्राम धनवाही में विशेष पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान शासकीय विद्यालय परिसर में युवाओं एवं ग्रामीणों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का संकल्प दिलाया गया। युवाओं ने जन-जन तक पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुंचाने और प्रकृति संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। जिला युवा अधिकारी उमाशंकर

त्रिवेदी ने प्रधानमंत्री के विभिन्न जन-जागरूकता अभियानों का उल्लेख करते हुए युवाओं से स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने, ईंधन एवं खाद्य तेल की बचत करने, जैविक खेती को प्रोत्साहित करने तथा स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ाने की अपील की। अभियान में माय भारत उमरिया के स्वयंसेवकों के साथ ग्राम धनवाही के सरपंच रवि कोल, शिक्षक गद्दू सिंह एवं बी.के. सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन ''एक पेड़ मां के नाम, एक कदम प्रकृति के नाम'' के संदेश के साथ हुआ।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत आपदा प्रबंधन एवं बचाव का प्रशिक्षण आयोजित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रांत मुराब (भा.पु.से.) एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जगनाथ मरकाम के मार्गदर्शन में सिंहस्थ-2028 ड्यूटी हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन एवं बचाव संबंधी विभिन्न व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्लाटून कमांडर होमगार्ड रामनरेश भवेदी द्वारा आपदा प्रबंधन के विभिन्न विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में आग एवं आग के प्रकार, आग बुझाने के विभिन्न तरीके तथा फायर एक्सटिंग्विशर के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग की जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही भगदड़ की स्थिति से पूर्व की तैयारियों, जोखिम कम करने के उपायों एवं बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। प्रशिक्षण में सर्पदंश से बचाव, सर्पदंश होने पर प्राथमिक उपचार एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी भी दी गई। जल दुर्घटनाओं की स्थिति में बचाव कार्य हेतु प्रतिभागियों को ड्राय रेस्क्यूएवं वेट रेस्क्यू की तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही रेस्क्यू रिंग का सही तरीके से उपयोग कर डूबते हुए व्यक्ति तक पहुंचाने एवं उसे सुरक्षित बाहर निकालने के तरीकों का प्रदर्शन किया गया। आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षक उपायों के अंतर्गत प्रतिभागियों को सीपीआर देने की विधि का प्रशिक्षण दिया गया, जिससे किसी व्यक्ति के अचेत होने अथवा हृदय गति रुकने की स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इसके अतिरिक्त चोकिंग की स्थिति में श्वास मार्ग अवरुद्ध होने पर प्रभावित व्यक्ति को सुरक्षित बचाने के उपाय एवं तकनीकों का भी अभ्यास कराया गया। सिंहस्थ महाकुंभ-2028 के दौरान घाटों एवं अन्य स्थानों पर अत्यधिक भीड़ एकत्रित होने की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए यह प्रशिक्षण विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध होगा। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य आपदा अथवा आकस्मिक परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करना है, जिससे श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो तथा जन-धन की हानि को न्यूनतम किया जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न बचाव तकनीकों का अभ्यास किया तथा आपदा प्रबंधन के प्रति अपनी तत्परता एवं दक्षता में वृद्धि की। उक्त प्रशिक्षण में सैनिक क्रमांक 12 सुनील सिंह, सैनिक क्रमांक 13 अनुज कुमार एवं सैनिक क्रमांक 1204 प्रहलाद सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नहाने गया 14 साल का बालक नदी में डूबा

उमरिया। भोलगढ़ स्थित सोन नदी का घाट शुक्रवार को उस वक्त चीख-पुकार और मातम में डूब गया, जब एक हंसता-खेलता 14 साल का मासूम नदी की उफनती लहरों में समा गया। ग्राम झाल निवासी आलोक द्विवेदी पिता पंकज द्विवेदी अपने तीन भाइयों के साथ निर्माणाधीन पुलिया देखने आया था। किसे पता था कि चंद मिनटों की मौज-मस्ती जिंदगी का आखिरी सफर बन जाएगी। नहाने के दौरान आलोक और उसका भाई आकाश अचानक गहरे पानी में समाने लगे। मौके पर मौजूद एक जांबाज नाविक ने फरिश्ता बनकर छलांग लगाई और आकाश को तो मौत के मुंह से खींच निकाला, लेकिन आलोक पलक झपकते ही नदी के गहरे भंवर में ओझल हो गया। हादसे को कई घंटे से ज्यादा का वक्त बीत चुका है। नदी किनारे डटी बिलखती मां और बेबस पिता की पथराई आंखें अब भी किसी चमत्कार की उम्मीद में सूनी नदी को निहार रही हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राजस्व का अमला मौके पर पहुंचा। एसडीआरएफ की टीम और स्थानीय गोताखोर कड़े रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे हैं, लेकिन शाम साढ़े पांच बजे तक आलोक का कोई सुराग नहीं मिल सका। घाट पर सैकड़ों ग्रामीणों का हुजूम जमा है और हर गुजरते पल के साथ परिजनों की धडक़नें बढ़ती जा रही हैं।

कई वर्षों से फरार वारंटी गिरफ्तार अमरकंटक पुलिस की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। थाना अमरकंटक पुलिस ने 10 दिवसीय विशेष अभियान के दौरान फरार वारंटियों की धरपकड़ में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) पुष्पराजगढ़ के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक एलबी तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लंबे समय से फरार चल रहे दो वारंटियों को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वसूली वारंटी छोटेलाल अगरिया (30 वर्ष) निवासी बघनीभांवर को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उसके विरुद्ध न्यायालय द्वारा जारी वसूली वारंट लंबित था। प्रकरण में न्यायालय के आदेशानुसार जमा की जाने वाली राशि जमा नहीं करने पर उसके विरुद्ध कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त, गिरफ्तारी वारंटी रमेश तिवारी (32 वर्ष) निवासी वार्ड क्रमांक-15, जमुनादादर, अमरकंटक को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। उसके विरुद्ध विभिन्न धाराओं के अंतर्गत दर्ज प्रकरण में न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट जारी था। विशेष अभियान के दौरान उपनिरीक्षक पीएस बघेल, प्रधान आरक्षक धनंजय, उपनिरीक्षक ईश्वर यादव सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने की कार्रवाई की जा रही है। अमरकंटक पुलिस की इस कार्रवाई को फरार वारंटियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष जागरूकता और पौधारोपण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार, एवं प्रधान ज़िला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष श्रीमती माया विश्वलाल के आदेशानुसार जिला जेल अनूपपुर में ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर द्वारा 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक विशेष जागरूकता और पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्षता में जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटैल ने उपस्थित सभी लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि स्वच्छ पर्यावरण और स्वस्थ जीवन हमारा कानूनी और नैतिक अधिकार दोनों है। जिला विधिक सहायता अधिकारी ने प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने और प्लास्टिक का उपयोग कम करने की अपील की। इस अवसर पर ज़िला जेल परिसर में विभिन्न प्रजातियों के छायादार और फलदार पौधे रोपे गए। लीगल एड डिफेंस काउंसिल के असिस्टेंट आयुष सोनी ने उपस्थित बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण को नुकसान पहुँचाना कानूनी अपराध है और विधिक सेवा प्राधिकरण लोगों को उनके पर्यावरण संबंधी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम के दौरान जेल कर्मचारियों एवं बंदियों, जिला जेल उप अधीक्षक इंद्रदेव तिवारी एवं उनके सहकर्मियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण को हरा-भरा बनाना और आम जनता में प्रकृति के प्रति अपनी सामूहिक ज़िम्मेदारी को बढ़ावा देना था।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अमरकंटक में विशेष स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ

स्वच्छता और हरियाली बढ़ाने के लिए जनभागीदारी पर दिया गया जोर

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर नगर परिषद अमरकंटक द्वारा विशेष स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नगर परिषद के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने एकजुट होकर स्वच्छता, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। अभियान के अंतर्गत नगर के विभिन्न क्षेत्रों में साफ-सफाई के साथ-साथ पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नगर परिषद के अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित संदेशों से युक्त बैनर के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून से 12 जून तक चलने वाले विशेष स्वच्छता अभियान की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई, जिसमें स्वच्छता गतिविधियों, जनजागरूकता कार्यक्रमों तथा वृक्षारोपण कार्यों को प्राथमिकता दी गई है। अभियान के तहत नगर परिषद परिसर

एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वयं पौधारोपण कर लोगों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सतत दायित्व है। प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने तथा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण देने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने, जल स्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया। इस दौरान नगर परिषद अमरकंटक द्वारा स्वच्छता एवं हरित अमरकंटक के लक्ष्य को साकार करने हेतु नागरिकों से सक्रिय सहभागिता की अपील भी की गई। नगर परिषद के अधिकारियों ने बताया कि आगामी दिनों में विद्यालयों, सामाजिक संगठनों एवं स्थानीय नागरिकों के सहयोग से स्वच्छता जागरूकता रैलियां, पौधारोपण कार्यक्रम तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। विश्व पर्यावरण दिवस के इस अवसर पर अमरकंटक से पर्यावरण संरक्षण का जो संदेश दिया गया है, वह निश्चित रूप से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा बनेगा।

खबर संक्षेप

8 जून को जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक

उमरिया। राज्य शासन व्दारा खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण की रोकथाम, नियंत्रण हेतु जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति का गठन किया गया है । जिले मे खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण के रोकथाम, नियंत्रण हेतु बैठक 8 जून को समय सीमा के पश्चात दोपहर 12 बजे से आहूत की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिरसिंहपुर पाली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में 5 जून 2026 शुक्रवार को पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य डॉ. हरलाल अहिरवार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न शासकीय योजनाओं का सफल क्रियान्वयन एवं विद्यार्थियों एवं आमजन में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का निर्माण करना था। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. जे.पी.एस. चौहान ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने, जल संरक्षण को अपनाने तथा प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरलाल अहिरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण और मानव जीवन का संबंध अत्यंत गहरा एवं अभिन्न है। स्वच्छ व संतुलित पर्यावरण के बिना स्वस्थ समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ. मंसूर अली ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया साथ ही एक पेड़ माँ के नाम योजना में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ. ऋतु सेन, डॉ. अनुपमा द्विवेदी, डॉ. जयंती पयासी, डॉ. शिवराज सिंह तथा डॉ. त्रिभुवन गिरी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ईवीएम गोदाम परिसर में हुआ पौधारोपण

पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए पौधारोपण आवश्यः विधायक

पौधारोपण के साथ उसकी सुरक्षा का भी लें संकल्पः कलेक्टर राखी सहाय

उमरिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत जिले के ईवीएम गोदाम परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बांधवगढ़ विधायक शिवनारायण सिंह, कलेक्टर राखी सहाय सहित जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए लोगों को प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान आम, अशोक एवं गुलमोहर सहित विभिन्न छायादार और पर्यावरण हितैषी पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर विधायक शिवनारायण सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण विश्व की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। लगातार बढ़ते प्रदूषण, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटने के लिए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वृक्ष न केवल हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि वर्षा चक्र को संतुलित रखने, मिट्टी के संरक्षण तथा जैव विविधता को सुरक्षित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विधायक ने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प ले, तो आने वाले वर्षों में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से पर्यावरण संरक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पौधारोपण केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे हमारी जीवनशैली का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण उनकी सुरक्षा और नियमित देखभाल करना भी है। कई बार पौधारोपण तो किया जाता है, लेकिन उचित संरक्षण के अभाव में पौधे जीवित नहीं रह पाते। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण के साथ-साथ उनकी सुरक्षा एवं संवर्धन का भी संकल्प लेना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि हरित वातावरण मानव जीवन, वन्यजीवों तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए आवश्यक है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपने-अपने कार्यालय परिसरों, घरों तथा सार्वजनिक स्थलों पर पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने का आग्रह किया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता तथा अधिक से अधिक पौधारोपण करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग डॉ. पूजा द्विवेदी, वरिष्ठ कोषालय अधिकारी अखिलेश पाठक, आशुतोष अग्रवाल, धनुषधारी सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधारोपण किया।कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता के संकल्प के साथ हुआ।

दावा-आपत्ति केंद्रों पर 15 जून तक आवेदन प्राप्त करने के निर्देश

उमरिया। संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी रीता डेहरिया ने बताया कि नगरीय निकायों एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 की तैयारियों के तहत मतदाता सूची निर्माण की संशोधित समय-सारिणी जारी कर दी गई है। जारी कार्यक्रम के अनुसार, 15 जून 2026 तक दावा-आपत्ति केंद्रों पर दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी।

उन्होंने नगरीय निकायों एवं पंचायतों के रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, जनपद पंचायत करकेली, पाली एवं मानपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा नगर पालिकाध्नगर परिषद उमरिया, पाली, चंदिया, नौरोजाबाद एवं मानपुर के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 से संबंधित सभी कार्य निर्धारित संशोधित कार्यक्रम के अनुसार एवं समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से पुनरीक्षण कार्य में आवश्यक सतर्कता बरतने तथा मतदाता सूची के अद्यतनकरण की प्रक्रिया को सुचारु एवं पारदर्शी ढंग से संपादित करने के निर्देश भी दिए हैं।

पीटीएस उमरिया में 6 आरक्षकों को कार्यवाहक प्रधान आरक्षक पद का दिया गया प्रभार

उमरिया। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय (पीटीएस) उमरिया में पदस्थ छह आरक्षकों को कार्यवाहक प्रधान आरक्षक पद का प्रभार प्रदान किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, पीटीएस उमरिया, मुकेश वैश्य ने पदोन्नत कर्मचारियों को फीती लगाकर उन्हें उच्च पद की जिम्मेदारियां सौंपीं। कार्यवाहक प्रधान आरक्षक के रूप में प्रभार प्राप्त करने वालों में लोकेन्द्र शर्मा, रंजीत दाहिया, प्रमोद अहिरवार, हेमचंद कचेर, जयप्रकाश राय तथा विनय जायसवाल शामिल हैं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मुकेश वैश्य ने सभी पदोन्नत कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और उत्कृष्ट सेवाओं का प्रतिफल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी कर्मचारी अपने नए दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ करते हुए विभाग की गरिमा एवं कार्यकुशलता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। समारोह में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पदोन्नत कार्यवाहक प्रधान आरक्षकों को शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल की कामना की। यह अवसर कर्मचारियों के लिए सम्मान और प्रेरणा का प्रतीक बना।

गांव-गांव पहुंचा आपदा प्रबंधन जन जागृति अभियान, 60 आपदा मित्र तैयार

उमरिया। जिले में आपदा प्रबंधन को जनआंदोलन का स्वरूप देने और ग्रामीणों को आपात परिस्थितियों के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशानुसार व्यापक जनजागृति अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला सेनानी के मार्गदर्शन में प्लाटून कमांडर राहुल कुमार साहू एवं होमगार्ड जवानों द्वारा ग्राम झाल, झलवार, चितराव, पडखुरी, खलौध एवं मझोखर में आपदा प्रबंधन जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में ग्रामीणों को प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए बताया गया कि जागरूकता, सतर्कता और समय पर की गई तैयारी किसी भी आपदा के प्रभाव को काफी हद तक कम कर सकती है। आगामी वर्षाकाल को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से बाढ़, अतिवृष्टि और जलभराव जैसी संभावित परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली सावधानियों पर विस्तार से चर्चा की गई। होमगार्ड दल ने ग्रामीणों को समझाया कि बाढ़ अथवा अन्य आपदाओं के दौरान अफवाहों पर ध्यान न दें, प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें, सुरक्षित स्थानों पर समय रहते पहुंचें तथा जरूरत पडने पर हेल्पलाइन और राहत सेवाओं का उपयोग करें। साथ ही महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का संदेश भी दिया गया।कार्यक्रम के दौरान सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देते हुए ग्रामीणों को आपदा मित्र के रूप में प्रशिक्षित एवं प्रेरित किया गया। इसका सकारात्मक परिणाम यह रहा कि विभिन्न गांवों से 60 लोगों ने आपदा मित्र बनने का संकल्प लिया, जो भविष्य में आपदा की स्थिति में प्रशासन और समुदाय के बीच सेतु की भूमिका निभाते हुए राहत एवं बचाव कार्यों में सहयोग करेंगे।जनजागृति कार्यक्रम में मत्स्य पालन समिति के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सक्रिय सहभागिता की। उपस्थित लोगों ने कहा कि इस प्रकार की जानकारी न केवल आपदा के समय जीवन बचाने में सहायक है, बल्कि समाज में सुरक्षा और सहयोग की भावना को भी मजबूत करती है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बुढ़ार में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन, न्यायिक अधिकारियों ने किया पौधरोपण

बुढ़ार। शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण को संरक्षित रखने और आमजनों को जागरूक करने के उद्देश्य से आज तहसील बुढ़ार के अंतर्गत ग्राम धनपुरा में एक विशेष विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही इस मौके पर शीशम ,करंज के पौधे को रोपण भी किया गया।

यह कार्यक्रम काशीनाथ सिंह, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल के निर्देशानुसार एवं सुशील कुमार अग्रवाल, जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति बुढ़ार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

न्यायिक अधिकारियों ने रोपे पौधे, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से उपस्थित न्यायिक अधिकारी सुशील कुमार अग्रवाल (जिला न्यायाधीश, बुढ़ार) एवं सुश्री दिव्या रामटेके ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर प्रत्येक न्यायिक अधिकारी ने एक-एक पौधा रोपा। पर्यावरण की हरियाली और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शिविर स्थल पर करंज और शीशम जैसे छायादार दस पौधे लगाए गए।

आमजनों को किया प्रेरित

विधिक साक्षरता शिविर में उपस्थित आम नागरिकों को कानून की बेसिक जानकारी देने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति उनकी जिम्मेदारियों से भी अवगत कराया गया। न्यायाधीश महोदय ने उपस्थित सभी लोगों को अपने जीवन में अनिवार्य रूप से पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए निर्देशित व प्रेरित किया।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

इस सराहनीय आयोजन में न्याय विभाग से विशाल कुमार मरावी, सूरज दास मानिकपुरी, पीतांबर सिंह और अधिवक्ता शेष नारायण शर्मा उपस्थित रहे। वहीं वन विभाग की ओर से हरि प्रसाद बैंगा, शिवकुमार टाडिया सहित भारी संख्या में स्थानीय जन और ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत मासियारी में अवैध रूप से निकाली मिट्टी

ग्राम पंचायत मासियारी में हेतराम बर्मन द्वारा तालाब ग्राम पंचायत माशियारी द्वारा लीज पर करीब 10 साल से सिंघाड़े का व्यापार करने के लिए लिया गया जो आज तक ना तो लीज जमा किया गया और ना जमा करने की कोई कार्रवाई की गई उसके उपरांत सिंघाड़े से कमाई का जरिया तो है अब गर्मी में उसका पानी सूख गया है तो उसकी पूरी मिट्टी खुदाई करवा करवा कर करीब 500 ₹600 पर ट्राली ट्रैक्टर द्वारा खरीद फरोख्त किया जा रहा है सरपंच सचिव की मिली भगत से जेसीबी से खुदाई करवाया जा रहा है ग्राम पंचायत मसियारी का मामला है इन दिनों यह तालाब लीज पर है तो सिर्फ आपको सिंघाड़े का उपज लेने के लिए है ना कि आप उसकी मिट्टी को निकाल कर बेचने का कार्य कर सकते हैं पर यह कार्य मासियारी में हो सकता है यहां हेतराम कहार द्वारा और सचिव सरपंच द्वारा मिलकर इसका लाभ लिया जा रहा है मिट्टी जेसीबी द्वारा निकाल कर भेजने का कार्य चल रहा है इन दिनों माइनिंग विभाग को दरकिनार करते हुए खुद सरपंच सचिव और हेतराम कहार खुद ही और मिट्टी बेचकर के बंदर बाट करने का कार्य इन दिनों खूब फल फूल रहा है हेतराम कहां द्वारा कुछ जानकारी तो यह भी आई है कि सिंघाड़े का व्यापार करने के बावजूद फिर अगर लोगों को जरूरत पड़ती है तो पानी भी बेचा जाता है और उसे तालाब की मिट्टी निकाल करके पर ट्रॉली 500 ₹600 तक लोगों को बेच कर अपनी जेब भरा जा रहा हैं ग्राम पंचायत सचिव बालकरण का कहना है कि मेरे को इसके बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है क्योंकि मैं अभी पिताजी के इलाज में व्यस्त ग्राम पंचायत माशियारी के सरपंच का कहना है की कुछ गांव के दबंग हेतराम कहार और बिन्नु सिंह द्वारा हमें खुद दबाव बनाया जा रहा है कि हमें ₹50000 दो तो हम तालाब का काम करेंगे जनपद पंचायत द्वारा कोई भी काम करवाने के लिए आदेश नहीं आया है हेतराम कहार द्वारा यह यह कार्य किया जा रहा है जो लीज में तालाब लिया हुआ है मछली और सिंघाड़े के उपयोग के लिए जो की उपयोग तो करता है और आए दिन तालाब का पानी खाली करके लोगों को खेतों तक पहुंचा दिया जा रहा है पैसे लेकर पानी बेच दिया जा रहा है अब पानी नहीं रहा उसे तालाब में जो उसकी मिट्टी है उसे भी निकाल कर 500 ₹600 ट्रॉली बेचा जा रहा है हमारे द्वारा मना करने के बावजूद भी यह जबरदस्ती किया जा रहा है लीज का पैसा ग्राम पंचायत में एक बार जमा कराया गया है और आज तक कोई पैसा भी जमा नहीं कराया जा रहा है।

राजस्व वसूली पूरी, सुविधाएं अधूरीः बदहाली में लग रहा धनपुरी का साप्ताहिक हाट बाजार

पार्किंग नहीं, जाम रोज की समस्या

धनपुरी। जिले की दूसरी सबसे बड़ी नगरपालिका में शुमार धनपुरी नगर पालिका क्षेत्र का साप्ताहिक हाट बाजार इन दिनों अव्यवस्थाओं, गंदगी और जलभराव की समस्या से जूझ रहा है। सप्ताह में चार दिन लगने वाला यह बाजार हजारों लोगों की जरूरतों का केंद्र है, लेकिन यहां पहुंचने वाले दुकानदारों और ग्राहकों को मूलभूत सुविधाओं के अभाव में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर पालिका द्वारा नियमित रूप से बैठकी शुल्क एवं अन्य राजस्व की वसूली तो की जा रही है, लेकिन सुविधाओं के नाम पर स्थिति निराशाजनक बनी हुई है।

वार्ड क्रमांक 20 एवं 21 के मध्य रविवार और गुरुवार को तथा कोलरी क्षेत्र में बुधवार और शनिवार को लगने वाले हाट बाजार में आसपास के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग खरीदारी करने पहुंचते हैं। बरसात की पहली ही बारिश ने बाजार की बदहाल तस्वीर सबके सामने ला दी। बाजार के चारों ओर नालियों का गंदा पानी जमा हो गया, जबकि पाइपलाइन विस्तार के लिए खोदे गए गड्ढों की समुचित भराई नहीं होने से पूरा क्षेत्र कीचड़ और जलभराव की चपेट में आ गया।

नालियों के ऊपर सजती हैं सब्जियों की दुकानें

हैरानी की बात यह है कि वर्षों से बाजार स्थल पर सब्जी विक्रेताओं को बैठने के लिए कोई स्थायी व्यवस्था नहीं मिल सकी है। कई विक्रेता खुले नालों के ऊपर तख्त लगाकर दुकान संचालित करते हैं तो कई गंदे पानी और कीचड़ के बीच बैठकर सब्जियां बेचने को मजबूर हैं। बरसात के दौरान जब नालियां उफनती हैं तो गंदा पानी दुकानों तक पहुंच जाता है और विक्रेताओं को अपनी सब्जियों को बचाने के लिए अतिरिक्त मशक्कत करनी पड़ती है।

ग्राहक भी परेशान, कीचड़ और दुर्गंध के बीच खरीदारी

हाट बाजार पहुंचने वाले ग्राहकों को भी कम परेशानियां नहीं झेलनी पड़तीं। जगह-जगह जमा पानी, कीचड़ और कचरे के ढेरों के बीच होकर लोगों को खरीदारी करनी पड़ती है। कई बार लोग गंदगी और फिसलन के कारण बाजार में आने से भी कतराते हैं। बाजार में फैली दुर्गंध और अस्वच्छ वातावरण से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

पार्किंग नहीं, जाम रोज की समस्या

साप्ताहिक बाजार के दौरान पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं होने से लोग अपने वाहन सड़क किनारे खड़े कर देते हैं। इससे बाजार क्षेत्र में यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित होती है। काची मोहल्ला, संग्राम सिंह दफाई, सफाई कॉलोनी और बंगवार कॉलोनी जाने वाले मार्ग पर कई बार लंबा जाम लग जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजार के दिनों में पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है।

अंधेरे में चलता है कारोबार

बाजार क्षेत्र में बिजली के खंभे लगे होने के बावजूद पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं है। शाम ढलते ही अंधेरा छा जाता है और दुकानदार बैटरी, टॉर्च एवं इमरजेंसी लाइट के सहारे कारोबार करने को विवश हो जाते हैं। इससे व्यापार प्रभावित होने के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी खतरे भी बढ़ जाते हैं।

राजस्व लाखों का, सुविधाएं शून्य

स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों का आरोप है कि नगर पालिका परिषद बाजार से नियमित रूप से बैठकी शुल्क, ठेला शुल्क और अन्य करों के माध्यम से अच्छा-खासा राजस्व अर्जित करती है, लेकिन उसी अनुपात में बाजार के विकास और व्यवस्थाओं पर ध्यान नहीं दिया जाता। वर्षों से बाजार स्थल पर न तो पक्के प्लेटफॉर्म बनाए गए और न ही नालियों को ढंकने या जल निकासी की स्थायी व्यवस्था की गई।

जनता का सवाल—आखिर जिम्मेदार कौन?

नगरवासियों का कहना है कि यदि नगर पालिका नियमित रूप से राजस्व वसूल रही है तो बाजार में साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल, शौचालय और जल निकासी जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना उसकी जिम्मेदारी है। बरसात की शुरुआत में ही जिस तरह की स्थिति सामने आई है, उससे आने वाले दिनों में हालात और गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है। धनपुरी का यह प्रमुख हाट बाजार आज भी विकास की बाट जोह रहा है। सवाल यह है कि नगर पालिका की आय का बड़ा स्रोत बनने वाले इस बाजार की सुध आखिर कब ली जाएगी और कब दुकानदारों व ग्राहकों को बदहाली से मुक्ति मिलेग।

खबर संक्षेप

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डीवीएम पब्लिक स्कूल अनूपपुर में किया गया पौधारोपण

अनूपपुर। विश्व पर्यावरण दिवस हर वर्ष 5 जून को मनाया जाता है इस दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रेरित करना है। पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है स्वच्छ वायु जल भूमि वन और जीव जंतु सभी पर्यावरण के महत्वपूर्ण अंग हैं बढ़ते प्रदूषण वनों की कटाई जलवायु परिवर्तन और प्रकृति संसाधनों के अत्यधिक दोहन से पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है इसलिए पर्यावरण संरक्षण आजकी सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर एक पौधा मां के नाम लगाया गया इसमें ऋषिराज सिंह अभय सिंह और आरती तिवारी उपस्थित रहे।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने-काटने के लिये पहली बार ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

अनूपपुर। प्रदेश में पहली बार नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं को नाम जोड़ने, कटवाने और नाम संशोधन के लिये ऑनलाइन सुविधा दी गयी। इस सुविधा का लाभ लेते हुए कुल 8317 आवेदकों ने ऑनलाइन आवेदन किया। इनमें से नगरीय निकायों में 1496 और पंचायतों में 6848 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए। नगरीय निकायों में 675 ऑनलाइन आवेदन नाम जोड़ने, 770 नाम कटवाने और 24 आवेदन नाम में संशोधन के लिये प्राप्त हुए हैं। वहीं त्रि-स्तरीय पंचायतों में 1701 आवेदन नाम जुड़वाने, 4960 नाम कटवाने और 187 आवेदन नाम में संशोधन के लिये प्राप्त हुए हैं। अनूपपुर जिले में नगरीय निकायों के 27 आवेदकों ने ऑनलाइन आवेदन किया। जिसमें से 6 ऑनलाइन आवेदन नाम जोड़ने, 21 आवेदन नाम कटवाने के लिए प्राप्त हुए हैं। इन सभी आवेदनों पर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

नगरीय निकाय एवं पंचायतों की मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्यक्रम संशोधित

अनूपपुर। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने जानकारी दी है कि नगरीय निकायों एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 के पूर्व में जारी कार्यक्रम में संशोधन किया गया है। अब प्रारूप मतदाता सूची में दावे-आपत्ति 15 जून तक लिये जायेंगे। दावे-आपत्तियों का निराकरण 25 जून तक किया जायेगा। फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 18 जुलाई को किया जायेगा।

चार दिन से पेयजल संकट ने खोली प्रशासनिक दावों की पोल

जिला मुख्यालय का बस स्टैंड बना अव्यवस्थाओं का अड्डा

नौतपा की भीषण गर्मी में पानी के लिए भटक रहे यात्री सुलभ कॉम्प्लेक्स सूखा, यूरिनल से दुर्गंध, दीनदयाल रसोई प्रभावित आम जनता के स्वास्थ्य और सम्मान के साथ खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला मुख्यालय अनूपपुर का बस स्टैंड इन दिनों बुनियादी सुविधाओं के अभाव और प्रशासनिक उदासीनता का जीवंत उदाहरण बन गया है। नौतपा की भीषण गर्मी के बीच पिछले चार दिनों से बस स्टैंड की पेयजल व्यवस्था ठप पड़ी हुई है। नगर पालिका द्वारा स्थापित जलापूर्ति पंप खराब होने के कारण यात्री पानी की एक-एक बूंद के लिए भटकने को मजबूर हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि इसका असर केवल पेयजल तक सीमित नहीं रहा, बल्कि स्वच्छता व्यवस्था, सार्वजनिक स्वास्थ्य, गरीबों के भोजन और यात्रियों की गरिमा तक पड़ने लगा है। प्रतिदिन लगभग 100 से अधिक बसों का आवागमन और हजारों यात्रियों की आवाजाही वाले इस बस स्टैंड में छोटे बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग, मरीज और दूर-दराज से आने वाले यात्री सबसे अधिक परेशान हैं। हैरत की बात यह है कि यह स्थिति किसी दूरस्थ गांव की नहीं, बल्कि जिला कलेक्टर, नगर पालिका प्रशासक, नगरपालिका अध्यक्ष एवं पार्षद और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के मुख्यालय की है।

जिला मुख्यालय में ही मूलभूत सुविधा का अभाव

किसी भी जिले का बस स्टैंड उस जिले का प्रवेश द्वार माना जाता है। बाहर से आने वाले लोगों की पहली नजर इसी स्थान पर पड़ती है। लेकिन अनूपपुर बस स्टैंड की वर्तमान स्थिति जिले की व्यवस्थाओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर रही है। चार दिनों तक पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा बहाल न हो पाना केवल तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि प्रशासनिक प्राथमिकताओं और जवाबदेही की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करता है।

सुलभ कॉम्प्लेक्स में पानी नहीं, यात्रियों की गरिमा पर चोट

बस स्टैंड स्थित नगर पालिका संचालित सुलभ कॉम्प्लेक्स भी पानी के अभाव में लगभग निष्प्रभावी हो चुका है। शौचालयों और स्नानगृहों में पानी न होने से यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से कष्टदायक है। स्वच्छता प्रभावित होने से संक्रमण और बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।

एकमात्र हैंडपंप भी गंदगी के बीच, स्वास्थ्य पर मंडरा रहा खतरा

पेयजल संकट के बीच लोगों के लिए केवल एक हैंडपंप ही सहारा बचा है, लेकिन उसकी स्थिति भी चिंताजनक है। हैंडपंप के आसपास गंदगी, कीचड़ और कचरे का अंबार लगा हुआ है। मजबूरी में यात्री उसी पानी का उपयोग कर रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार ऐसी परिस्थितियां डायरिया, टाइफाइड, हैजा और अन्य जलजनित बीमारियों को आमंत्रण दे सकती हैं। यह स्थिति सीधे-सीधे आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ के समान है।

यूरिनल बना दुर्गंध और संक्रमण का केंद्र

सुलभ कॉम्प्लेक्स के समीप बना सार्वजनिक यूरिनल भी पानी के अभाव में सफाई से वंचित है। नियमित धुलाई और सफाई न होने के कारण वहां से उठने वाली दुर्गंध पूरे बस स्टैंड परिसर में फैल रही है। यात्रियों और दुकानदारों का कहना है कि कुछ देर वहां खड़ा रहना भी मुश्किल हो गया है। गर्मी के कारण स्थिति और विकराल हो गई है। यह न केवल असुविधा बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है।

दीनदयाल रसोई योजना भी हुई प्रभावित

बस स्टैंड परिसर में संचालित दीनदयाल रसोई योजना, जिसके माध्यम से गरीबों और श्रमिकों को रियायती दर पर भोजन उपलब्ध कराया जाता है, वह भी जल संकट से प्रभावित हो गई है। भोजन निर्माण, बर्तन धुलाई और साफ-सफाई के लिए पानी न मिलने से योजना का संचालन बाधित हो गया है। इसका सीधा असर उन गरीब और जरूरतमंद लोगों पर पड़ रहा है जो इस योजना पर निर्भर हैं।

जिला मुख्यालय का बस स्टैंड या उपेक्षा का प्रतीक?

अनूपपुर बस स्टैंड की वर्तमान स्थिति यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या यह वास्तव में किसी जिला मुख्यालय का बस स्टैंड है। एक बस स्टैंड में कम से कम स्वच्छ पेयजल, व्यवस्थित प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय, पर्याप्त बैठने की व्यवस्था, सफाई और सुरक्षित वातावरण जैसी सुविधाएं अपेक्षित होती हैं। लेकिन यहां की वास्तविकता इसके विपरीत दिखाई देती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि छोटे कस्बों के बस स्टैंडों में भी इससे बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हैं। यात्रियों को पानी, स्वच्छता और सम्मानजनक वातावरण जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। इससे विकास और सुशासन के दावों की वास्तविकता भी उजागर हो रही है।

एक खराब पंप ने खोल दी पूरी व्यवस्था की पोल बस स्टैंड में जल संकट ने यह साबित कर दिया है कि एक मूलभूत सुविधा की अनदेखी कैसे पूरी व्यवस्था को प्रभावित कर सकती है। पेयजल बंद हुआ तो सुलभ कॉम्प्लेक्स प्रभावित हुआ, यूरिनल की सफाई रुक गई, हैंडपंप गंदगी के बीच लोगों की मजबूरी बन गया और गरीबों के भोजन की व्यवस्था तक बाधित हो गई। यह मामला केवल एक खराब पंप का नहीं, बल्कि व्यवस्था की संवेदनशीलता, जवाबदेही और प्राथमिकताओं का है। सवाल यह है कि जिला मुख्यालय के सबसे व्यस्त सार्वजनिक स्थल की यह स्थिति यदि जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को दिखाई नहीं दे रही, तो फिर आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान की उम्मीद किससे की जाए?

जनता की मांग

नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और यात्रियों ने जिला प्रशासन एवं नगर पालिका से तत्काल हस्तक्षेप कर पेयजल व्यवस्था बहाल करने, सुलभ कॉम्प्लेक्स एवं यूरिनल की नियमित सफाई सुनिश्चित करने, हैंडपंप क्षेत्र को स्वच्छ बनाने तथा बस स्टैंड की समस्त मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी के इस दौर में पानी, स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाएं कोई विलासिता नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार हैं।

कार्यवाही नहीं, भीड़ वाले क्षेत्र में उपयोग होने से हादसे की आशंका

घरेलू गैस सिलेंडर का हो रहा व्यावसायिक उपयोग

हरिभूमि न्यूज, कोतमा। जिला मुख्यालय सहित कोयलांचल क्षेत्र में कार्यवाही न होने की वजह से कमर्शियल उपयोग के लिए घरेलू गैस सिलेंडरों का खुलेआम होटल, ढाबों एवं ठेलों में उपयोग किया जा रहा है। जिला मुख्यालय सहित कोतमा में व्हाइट रिफलिंग का कारोबार जोरों पर है। प्रशासन, से लेकर खाद्य आपूर्ति विभाग की नाक के नीचे घरेलू गैस सिलेंडरों से छोटे गैस सिलेंडरों में गैस भरने का काम जारी है। इतना ही नहीं घरेलू गैस सिलेंडर का धड़ले से व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है जो कभी भी किसी बड़े खतरे का कारण बन सकता है। राजस्व की भी भारी क्षति हो रही है लेकिन जिम्मेदारों द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। गुरुवार को सिंगरौली मे भीड वाले क्षेत्र मे गैस सिलेंडर ब्लास्ट होने की घटना घटित हुई है उस घटना से प्रशासन को सीख लेते हुए अभियान चलाकर कार्यवाही करनी चाहिए। कोतमा नगर से लेकर कोयलांचल एवं ग्रामीण इलाके में अधिकतर होटल, मिठाई व चाय की दुकानों सहित ठेले मे बिक रहे ख़ाद्य सामग्रियों की दुकानों में घरेलू गैस सिलेंडर का खुलेआम इस्तेमाल हो रहा है। बावजूद इसके ऐसे लोगों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हो रही। दूसरी ओर नियम यह है कि इस तरह के प्रतिष्ठानों पर घरेलू गैस की वजाय कामर्शियल सिलेंडरों का उपयोग किया जा सकता है। कई सालों से घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यवसायिक कामों में धड़ले से उपयोग किया जा रहा है। इन सिलेंडरों पर सब्सिडी जारी होने के बावजूद उनके व्यावसायिक उपयोग पर प्रतिबंध नहीं लग पाया है। कई होटल संचालकों ने व्यावसायिक गैस के कनेक्शन ले रखे हैं वहां उनकी खपत हर महीने चार से पांच सिलेंडर की है, मगर वह व्यावसायिक सिलेंडर की बजाय घरेलू सिलेंडरों का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि कुछ होटल और चाय की दुकान चलाने वालों ने व्यावसायिक सिलेंडर के कनेक्शन लिए हुए हैं मगर यह भी बड़े सिलेंडरों की बजाय घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग कर रहे हैं। दुकानदार भी उपयोग के वक्त सिलेंडरों को छुपाकर रखते हैं सिलेंडर को बोरी से ढंक देते हैं ताकि कोई देख ना सके ऐसे में सरकार को राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

रक्सा कोलमी में पर्यावरण संरक्षण का संदेश छायादार व फलदार पौधों का किया रोपण

एक पेड़ से हजार उम्मीदें, रक्सा कोलमी में पर्यावरण दिवस पर हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के रक्सा कोलमी क्षेत्र में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर टोरेंट पावर प्रोजेक्ट, रक्सा कोलमी द्वारा वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रोजेक्ट के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस अवसर पर कंपनी के उपाध्यक्ष आरके सिंह, ओपी नैणवाल, सुधाकर पाण्डेय एवं कुलदीप सिंह बघेल तथा सहायक महाप्रबंधक (प्रशासन) ब्रिगेडियर सीबी सिंह, अभिरूप पत्रा, आकाश श्रीवास्तव, श्री आचार्य के अलावा मुख्यालय स्तर के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। इनके साथ प्रोजेक्ट का समस्त स्टाफ भी कार्यक्रम में सम्मिलित रहा। कार्यक्रम की शुरुआत पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ हुई, जिसके पश्चात सभी उपस्थितजनों ने सामूहिक रूप से वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया, जिससे पर्यावरण संतुलन, हरियाली तथा भविष्य में फल-फूल एवं छाया की

उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने, अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि भविष्य में भी प्रत्येक वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इसी प्रकार वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का समापन स्वच्छ, हरित एवं संतुलित पर्यावरण के निर्माण हेतु सामूहिक संकल्प के साथ किया गया, जिससे क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश दिया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर रेलवे कांग्रेस ने किया वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर के द्वारा रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण, मंडल समन्वयक बिलासपुर विजय अग्निहोत्री व जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव के निर्देशानुसार रेलवे आंवला पार्क अनूपपुर में जामून एवं आंवला नीम पेड़ लगाया गया, रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर के शाखा सचिव जयंतो दास गुप्ता ने बताया की प्रत्येक वर्ष 05 जून से 15 अगस्त तक मजदूर कांग्रेस बिलासपुर मंडल के अनूपपुर, मनेंद्रगढ़, करंजी, पेन्ड्रारोड़, शहडोल, उमरिया सहित बिलासपुर मंडल के सभी शाखाओं में वृक्षारोपण कार्यक्रम कर वृक्ष लगाकर मजदूर कांग्रेस पर्यावरण संरक्षण में संगठन योगदान देता है, शाखा सचिव अनूपपुर जयंतो दास गुप्ता ने बताया कि अनूपपुर रेलवे आंवला पार्क में विगत दस वर्षों के वृक्षारोपण अभियान के तहत 50 आंवला के वृक्ष लगाकर लगातार संरक्षण कर बेहतरीन आंवला पार्क तैयार कर एक मिसाल कायम की है। पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम में वृक्षारोपण करने वाले प्रमुख रूप से कार्यक्रम के संयोजक मजदूर कांग्रेस नेता रामदास राठौर, सीटीआई एसके कोरी, सीनियर सेक्शन इंजीनियर (कार्य) रोहित कुमार, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र मीणा, रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर के पदाधिकारी शाखा अध्यक्ष सिराज मंसूरी, कार्यकारी अध्यक्ष विवेक कुमार राय, उपाध्यक्ष रामदास राठौर, सचिव जयंतोदास गुप्ता, सहायक सचिव एस संजीव राव, कोषाध्यक्ष सदाशिव पांडे, संतोष मिश्रा, किशन द्विवेदी, मुकेश यादव, मिथलेश यादव, रवि कुमार राय, कार्यालय प्रभारी जी सुर्याराव व असंगठित कामगार कर्मचारी संघ अध्यक्ष अजय चौधरी का योगदान रहा।

पेड़ पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन हमारा दायित्व-कलेक्टर

पेड़ पौधे मानव जीवन की मूल आवश्यकता विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शंभूधारा में आयोजित हुआ पौधरोपण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज, अमरकंटक। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा है कि पेड़-पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन हम सभी का दायित्व है। पेड़-पौधे हमें जीवन प्रदान करते हैं, इसलिए इनके प्रति सजग एवं संवेदनशील रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से अपनी मां के नाम एक पौधा अवश्य रोपने का आव्हान किया। कलेक्टर श्री पंचोली ने कहा कि हमें पेड़ों का संरक्षण करना चाहिए तथा अधिक से अधिक पौधरोपण कर धरती को हरा-भरा बनाने में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन की मूल आवश्यकता हैं। कलेक्टर हर्षल पंचोली आज अमरकंटक के शंभूधारा में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय पौधरोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा कि वर्तमान समय में तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन तथा वनों की अंधाधुंध कटाई चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि असमय बाढ़, भूस्खलन, सूखा एवं जल संकट जैसी प्राकृतिक आपदाओं में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसके प्रमुख कारणों में वृक्षों की निरंतर कटाई शामिल है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो जलवायु परिवर्तन का दुष्प्रभाव और अधिक गंभीर रूप ले सकता है। इस चुनौती से निपटने के लिए वृक्षों की कटाई पर रोक लगाना तथा व्यापक स्तर पर पौधरोपण करना आवश्यक है। कलेक्टर श्री

पंचोली ने पेड़-पौधों और जल स्त्रोतों के पारस्परिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नदियों एवं वनों का संरक्षण एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने नर्मदा नदी का उदाहरण देते हुए कहा कि अमरकंटक से उद्गमित होकर गुजरात की खंभात की खाड़ी तक प्रवाहित होने वाली नर्मदा नदी करोड़ों लोगों के लिए जीवनदायिनी है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से नदियां और वन मानव सभ्यता के विकास एवं संरक्षण के आधार रहे हैं तथा नदियों की निरंतरता और समृद्धि के लिए सघन वनों का होना आवश्यक है।

कार्यक्रम में वनमंडलाधिकारी डॉविड व्यंकटराव चनाप ने विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 5 जून से 21 जून तक पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों तथा नगर वन सिटी परियोजना के अंतर्गत लगभग 3 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा। वनमंडलाधिकारी ने कहा कि प्रकृति के संतुलन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यापक स्तर पर पौधरोपण की आवश्यकता है।

उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन में सक्रिय सहभागिता निभाने का आव्हान किया। इसी प्रकार कार्यक्रम को कर्नल एके शर्मा ने भी संबोधित किया। शशिधर अग्रवाल ने एनसीसी कैडेट्स को सर्पदंश के उपचार एवं बचाव तथा अन्य वन्य प्राणियो के बारे में जानकारी दी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने शंभूधारा तट पर बरगद के पौधे का रोपण किया। इसी प्रकार वनमंडलाधिकारी डेविड व्यंकटराव चनाप ने साल का पौधा, नगर परिषद अध्यक्ष अमरकंटक श्रीमती पार्वती सिंह तथा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट ने भी पौधरोपण किया। कार्यक्रम में आम, जामुन, बरगद, पीपल, साल, रुद्राक्ष, अर्जुन, गुलबकावली एवं बरगद सहित अन्य विभिन्न पौधों का जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं एनसीसी के कैडेट्स ने लगभग 50 पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी वन, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग, डीपीएम एनआरएलएम, जनजातीय कार्य विभाग के क्षेत्र संयोजक सहित वन विभाग एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी तथा स्वसहायता समूह की दीदियां, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित थे।